



Abhishek Khanduri



Harsha Joshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121861901

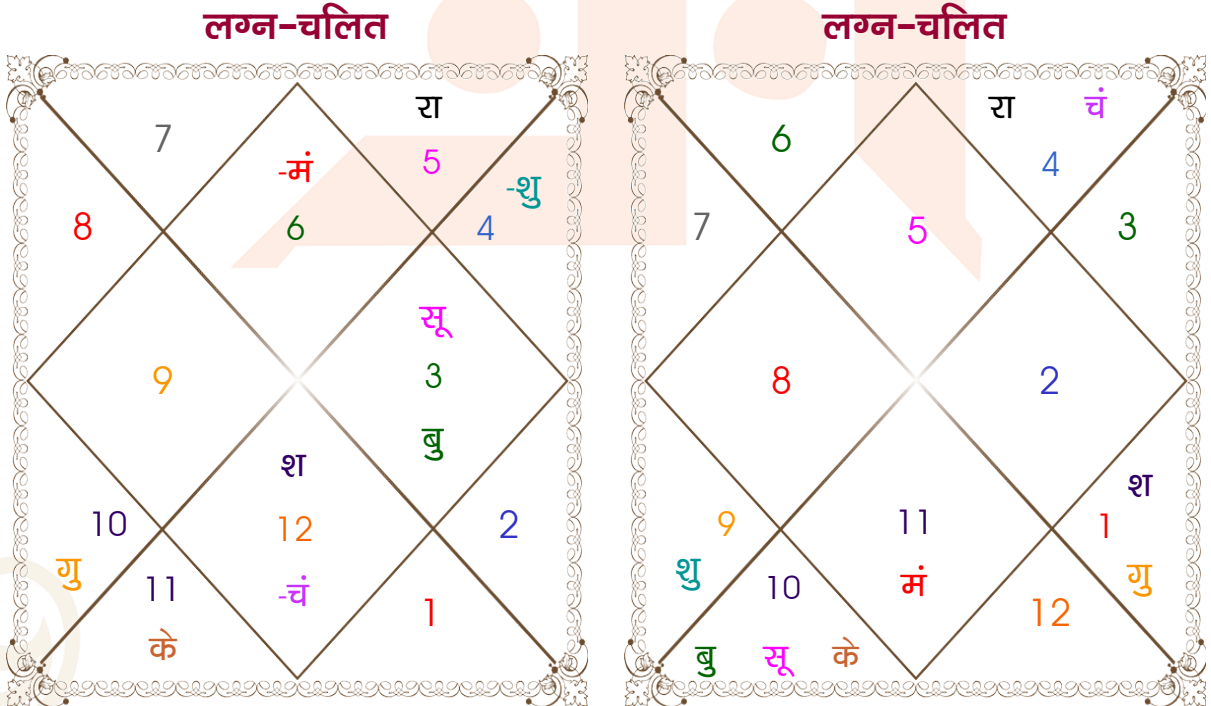
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
27/06/1997 :	जन्म तिथि	: 21/01/2000
शुक्रवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 13:25:00 :	जन्म समय	: 20:00:00 घंटे
घटी 19:58:46 :	जन्म समय(घटी)	: 31:54:10 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Almora
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:36:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:25:29 :	सूर्योदय	: 07:06:20
19:22:43 :	सूर्यास्त	: 17:38:50
23:49:17 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:15
कन्या :	लग्न	: सिंह
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: सूर्य
मीन :	राशि	: कर्क
गुरु :	राशि-स्वामी	: चन्द्र
उ०भाद्रपद :	नक्षत्र	: पुष्य
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
2 :	चरण	: 3
सौभाग्य :	योग	: प्रीति
बालव :	करण	: बालव
थ-थानसिंह :	जन्म नामाक्षर	: हो-होमवती
कर्क :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
विप्र :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
गौ :	योनि	: मेष
मनुष्य :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
सर्प :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 10वर्ष 6मा 12दि	25:00:48	कन्या	लग्न	सिंह	07:50:20	शनि 5वर्ष 8मा 9दि
केतु	11:53:01	मिथु	सूर्य	मक	06:59:55	केतु
08/01/2025	09:16:25	मीन	चंद्र	कर्क	12:40:22	30/09/2022
09/01/2032	09:47:10	कन्या	मंगल	कुंभ	19:40:52	30/09/2029
केतु 06/06/2025	13:45:44	मिथु	बुध	मक	10:40:05	केतु 27/02/2023
शुक्र 06/08/2026	27:38:45	मक व	गुरु	मेष	02:52:10	शुक्र 28/04/2024
सूर्य 12/12/2026	04:25:12	कर्क	शुक्र	धनु	02:11:40	सूर्य 02/09/2024
चन्द्र 13/07/2027	25:29:23	मीन	शनि	मेष	16:31:03	चन्द्र 04/04/2025
मंगल 10/12/2027	29:15:45	सिंह	राहु	कर्क	09:49:44	मंगल 31/08/2025
राहु 27/12/2028	29:15:45	कुंभ	केतु	मक	09:49:44	राहु 18/09/2026
गुरु 03/12/2029	14:04:54	मक व	हर्ष	मक	22:02:21	गुरु 25/08/2027
शनि 12/01/2031	05:22:20	मक व	नेप	मक	10:05:02	शनि 03/10/2028
बुध 09/01/2032	09:34:01	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:14:39	बुध 30/09/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

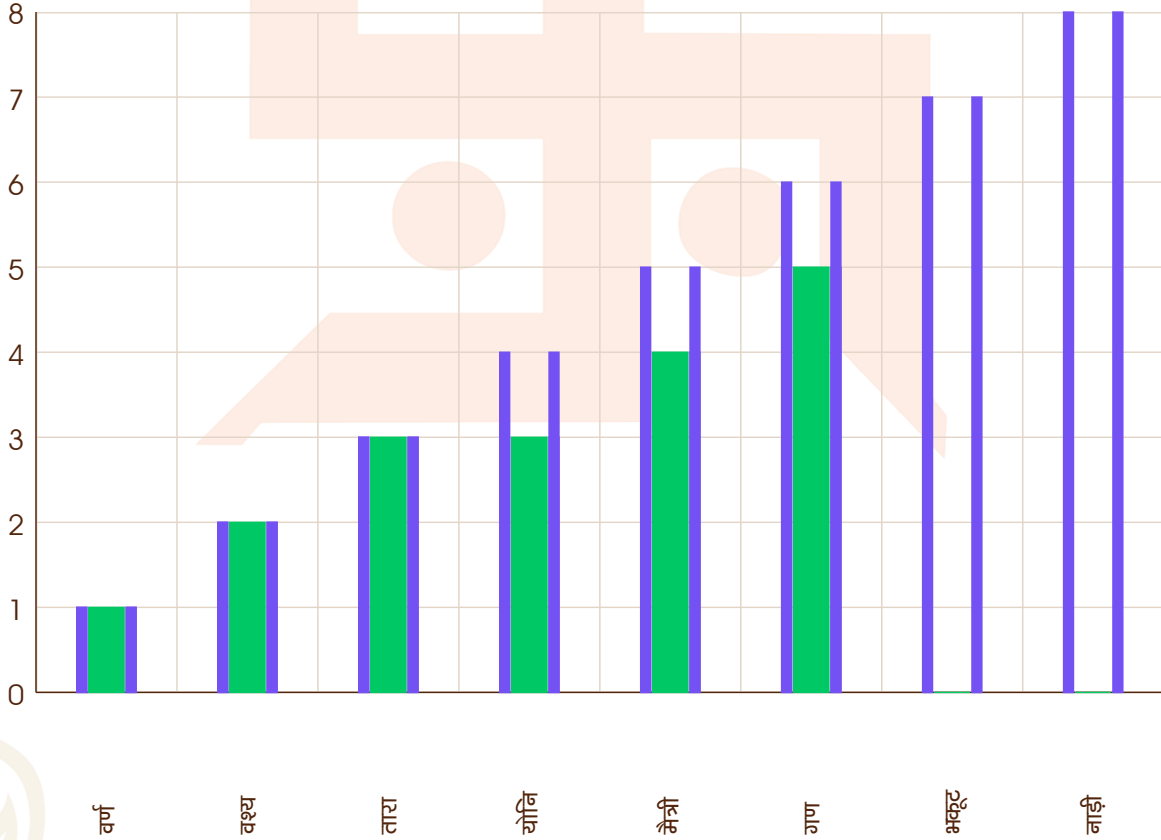
23:49:17 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:15



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : 18 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि भंती श्रवीप का नक्षत्र पुष्य है।

Abhishek Khanduri का वर्ग सर्प है तथा भंती श्रवीप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Abhishek Khanduri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भंती श्रवीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।**

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Abhishek Khanduri की कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Abhishek Khanduri तथा भंती श्रवीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Abhishek Khanduri का वर्ण ब्राह्मण तथा भंती श्रवीप का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदर, पसन्द एवं नापसन्द सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

Abhishek Khanduri का वश्य जलचर है एवं भंती श्रवीप का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसन्द एवं नापसन्द एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

Abhishek Khanduri की तारा जन्म तथा भंती श्रवीप की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Abhishek Khanduri की योनि गौ है तथा भंती श्रवीप की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में

सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Abhishek Khanduri का राशि स्वामी भंती श्रवीप के राशि स्वामी से मित्र का संबंध रखता है। जबकि भंती श्रवीप का राशि स्वामी Abhishek Khanduri के राशि स्वामी के साथ सम का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए मित्र हो किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को सम मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Abhishek Khanduri का गण मनुष्य तथा भंती श्रवीप का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में भंती श्रवीप सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर Abhishek Khanduri व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण Abhishek Khanduri अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

Abhishek Khanduri से भंती श्रवीप की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा भंती श्रवीप से Abhishek Khanduri की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण भंती श्रवीप को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Abhishek Khanduri की नाड़ी मध्य है तथा भंती श्रवीप की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा

पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Abhishek Khanduri एवं भंती श्रुवीप का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



मेलापक फलित

स्वभाव

Abhishek Khanduri की राशि जलतत्व युक्त मीन तथा भंती श्रवीप की राशि भी जलतत्व युक्त कर्क है। अतः दोनों तत्वों में समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध मधुर होंगे तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

Abhishek Khanduri की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा भंती श्रवीप की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता होगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम आकर्षण तथा समर्पण का भाव होगा। साथ ही सुख दुःख में एक दूसरे को पूर्ण रूप से सहायता तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप एक दूसरे की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः इससे इनका दाम्पत्य जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता से युक्त रहेगा तथा समय भी आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में तनाव मतभेद तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही परस्पर अहंकार एवं श्रेष्ठता की भावना से वैवाहिक जीवन में कटुता की भावना उत्पन्न होगी। अतः यदि Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से कार्य लें तथा उपरोक्त प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तो इनका जीवन सुखमय हो सकता है।

Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में सफल होंगे जिससे जीवन सुखमय रहेगा।

Abhishek Khanduri एवं भंती श्रवीप का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमताएं समान होंगी तथा धार्मिक शैक्षणिक तथा अन्य सत्कार्यों को करने में प्रवृत्त होंगे। अतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेगा तथा दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Abhishek Khanduri को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में भंती श्रवीप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन भंती श्रवीप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में भंती श्रवीप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Abhishek Khanduri और भंती श्रवीप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

भंतीं श्रवीप के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही भंतीं श्रवीप सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि भंतीं श्रवीप किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबंधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी भंतीं श्रवीप को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण भंतीं श्रवीप के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Abhishek Khanduri की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Abhishek Khanduri सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Abhishek Khanduri ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Abhishek Khanduri के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।